□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□
स्वास्थ्य □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□
□□□ □□□
□□□□□□□□□ प्रश्न □□□□: 2073
23 □□□□□□, 2020 □□ □□□□□□□□□□□ प्रश्न □□ □□□□
□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □ □□□

2073. □□□ □□. □□□□□□□:

श्री □□. □□. □□□□□□:

क्या स्वास्थ्य □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ यह बताने की कृपा करगे कि:

(क) क्या वष 2015 और 2020 के बीच सरकारी स्कूलों से पास छात्रों से एनईईटी यूजी के लिए प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या म कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वष 2015 और 2019 के बीच एनईईटी यूजी परीक्षा पास करने वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों की संख्या म कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या 2015 2019 के लिए एनईईटी के माध्यम से चिकित्सा महाविद्यालयों म प्रवेश लेने वाले सरकारी स्कूलों के छात्रों की संख्या म कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकारी स्कूलों म पढ़ने वाले छात्रों के लिए उच्च शिक्षा म अवसर बढ़ाने हेतु क्या कदम उठाए गए ह;

(ङ) क्या सरकार का तमिलनाडु के अभ्यर्थियों के लिए एनईईटी परीक्षा समाप्त करने अथवा उन्ह इससे छूट देने का प्रस्ताव है ताकि गरीब और ग्रामीण छात्र चिकित्सा पाठ्यक्रमों म प्रवेश ले सके, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण ह?

<u>□□□□</u>

<u>स्वास्थ्य □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ (श्री □□□□□□ □□□□□ □□□□)</u>

(क) से (घ): वष 2015 और 2020 के बीच सरकारी स्कूलों से उत्तीण छात्रों से एनईईटी-यूजी के लिए प्राप्त आवेदनों, इसम उत्तीण और मेडिकल कॉलेजों म प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या के संबंध म सूचना कद्रीय रूप म नहीं रखी जाती है।

(ङ) और (च): एनईईटी परीक्षा को समाप्त करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 की धारा 10 घ म, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सभी चिकित्सा शैक्षिक संस्थानों म एक समान प्रवेश परीक्षा नामत: राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) संचालित करना निर्धारित है। एनईईटी संचालित करने के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 के प्रावधान, किसी राज्य को छूट के बिना, पूरे देश म लागू होंगे। एनईईटी के परिणामस्वरुप चिकित्सा शिक्षा के बेहतर एवं न्यूनतम मानक सुनिश्चित हुए ह और मेडिकल प्रवेश म कदाचार घटा है, जिससे बहु-प्रवेश परीक्षाओं म बैठने के लिए अप्रत्याशित छात्रों हेतु बेहतर पारदर्शिता आई है और भार कम हुआ है।

******